

Акт
лесопатологического обследования №
лесных насаждений Кувандыкского участкового лесничества
ГКУ «Кувандыкское лесничество»
министерство природных ресурсов, экологии и имущественных отношений
Оренбургской области

Способ лесопатологического обследования: 1. Визуальный ☐

2. Инструментальный ☒

Место проведения

| Участковое лесничество | Урочище (дача) | Квартал (кварталы) | Выдел (выделы) | Площадь, га |
|------------------------|----------------|--------------------|----------------|-------------|
| Кувандыкское | - | 124 | 24 | 8,9 (3,0) |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |

Лесопатологическое обследование проведено на общей площади 3,0 га.

Кадастровый номер участка:

Документ о праве пользования:

2. Инструментальное (детальное) обследование лесных насаждений.

2.1. Лесничество ГКУ «Кувандыкское лесничество»; Участковое лесничество Кувандыкское; Урочище (дача); Квартал 124 выдел 24;

Лесопатологический выдел 1

Наличие ограничений или особенностей участка, влияющих на назначение СОМ:

(отметка о наличии ООПТ, ОЗУ, водоохраной зоны, радиоактивного загрязнения лесов, угрозы возникновения очагов вредных организмов или пожарной опасности в лесах).

2.2. Фактическая таксационная характеристика лесного насаждения соответствует (не соответствует) (нужное подчеркнуть) таксационному описанию.

Причины несоответствия: Давность лесоустройства 10 и более лет (1997 г.);

Ведомость лесных участков с выявленными несоответствиями таксационным описаниям приведена в приложении 1 к Акту.

2.3. Состояние насаждений:

с нарушенной устойчивостью ($СКС \geq 1,51 - \leq 4,50$)

с утраченной устойчивостью ($СКС \geq 4,51$)

устойчивое ($СКС < 1,50$)

| |
|---|
| |
| v |
| |

2.4. Причины ослабления, повреждения: пожар 1-3 летней давности (864).

Средневзвешенная категория состояния насаждения:

$К \text{ ср. Б} = (18 \cdot 4) + (58 \cdot 5) + (24 \cdot 5) / 100 = 4,8$ (погибшее)

$К \text{ ср. нас.} = (10 \cdot 4,8) / 10 = 4,8$ (погибшее)

2.4.1. Заселено (отработано) стволовыми вредителями:

| Вид вредителя | Порода | Встречаемость заселённых деревьев, % от запаса породы | Встречаемость отработанных деревьев, % от запаса породы | Степень заселения лесного насаждения (слабая, средняя, сильная) |
|---------------|--------|---|---|---|
| | | | | |

2.4.2. Повреждено огнём:

| Вид пожара | Порода | Состояние корневых лап | | Состояние корневой шейки | | Высушивание луба | | Обугленность древесины более 1/3 высоты ствола | |
|------------|--------|------------------------|------------------------------------|--|------------------------------------|--|--|--|----------------------------------|
| | | % поврежденных корней | % деревьев в с данным повреждением | обугленность древесины корневой шейки по окружности (1/4; 2/4; 3/4; более 3/4) | % деревьев в с данным повреждением | по окружности (1/4; 2/4; 3/4; более 3/4) | процент деревьев в с данным повреждением | по окружности (1/2; более 1/2) | % деревьев с данным повреждением |
| 864 (УНП) | Б | - | - | - | - | 2/4 3/4 более 3/4 | 18 58 24 | - | - |

4.3. Поражено болезнями:

| Болезнь/ возбудитель | Порода | Встречаемость, % от запаса насаждения | Степень поражения лесного насаждения (слабая, средняя, сильная) |
|----------------------|--------|---------------------------------------|---|
| | | | |

| | |
|--------------------------|----------------|
| 2.5. Выборке подлежит | 100% деревьев; |
| В том числе: | |
| без признаков ослабления | - % деревьев; |
| ослабленных | -% деревьев; |
| сильно ослабленных | - % деревьев; |
| усыхающих | 18 % деревьев; |
| свежего сухостоя | 58 % деревьев; |
| свежего ветровала | - % деревьев; |
| свежего бурелома | - % деревьев; |
| старого сухостоя | 24 % деревьев; |
| старого ветровала | -% деревьев; |
| старого бурелома | - % деревьев; |

2.6. Полнота лесного насаждения после уборки деревьев, подлежащих рубке, составит 0 .

Критическая полнота для данной категории лесных насаждений и преобладающей породы составляет 0,3

ЗАКЛЮЧЕНИЕ к инструментальному обследованию участка. На участке имеется погибшее насаждение, с целью предотвращения негативных процессов, снижения ущерба от их воздействия назначено проведение ССР на площади 3,0 га.

| Участковое лесничество | Урочище (дача) | Квартал | Выдел | Площадь, га | Лесопатологический выдел | Площадь лесопатологического выдела | Вид мероприятия | Площадь, га | Породы | Доля выбираемой древесины по запасу, % | Рекомендуемый срок проведения мероприятия |
|------------------------|----------------|---------|-------|-------------|--------------------------|------------------------------------|-----------------|-------------|--------|--|---|
| Кувандыкское | | 124 | 24 | 3,0 | - | 3,0 | ССР | 3,0 | Б | 100 | 2023-2025 |

Ведомость временной пробной площади и абрис участка прилагаются (приложение 2 и 3 к Акту).

Рекомендации по проведению мероприятий, не относящихся к мероприятиям по повреждению распространения вредных организмов:

П.22 «Правила санитарной безопасности в лесах», утверждены постановлением Правительства РФ от 09.12.2020 №2047.

П.35, п. 56 «Правил осуществления мероприятий по предупреждению распространения вредных организмов», утверждены приказом Минприроды России от 09.11.2020 № 912.

Дата проведения обследования 14.08.2023

Дата составления обследования 05.09.2023

Исполнитель работ по проведению лесопатологического обследования:

Инженер по охране и защите леса

Пашковская Н.С.


подпись

должность, ФИО

Согласовано:

Руководитель (лесничий)



Габбасов И.Ф.

Ведомость лесных участков леса с выявленными несоответствиями таксационным описаниям

Субъект Российской Федерации **Оренбургская область** Лесничество (лесопарк) **ГКУ «Кувандыкское лесничество»**
Участковое лесничество **Кувандыкское** Урочище (лесная дача)

| Год проведения лесосуровейства | Номер квартала | Номер выдела | Площадь выдела, га | Целевое назначение лесов | Категория защитных лесов | ОЗУ | Источник данных | Номер лесопатологического выдела | Площадь лесопатологического выдела, га | Таксационная характеристика | | | | | | | | | | Заложено пробных площадей | | |
|--------------------------------|----------------|--------------|--------------------|--------------------------|--------------------------|-----|-----------------|----------------------------------|--|-----------------------------|--------|--------------|-------------------|---------------------|----------|-----|---------|---------|---------------|---------------------------|-----|-----------------|
| | | | | | | | | | | состав | порода | возраст, лет | средняя высота, м | средний диаметр, см | тип леса | ТУМ | полнота | бонитет | запас, куб/га | | | количество, шт. |
| 2 | 3 | 4 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | |
| 1997 | 124 | 24 | 3,0 | защитные | противоэрозионные | - | ТО | - | - | 9Б1ОС | Б,ОС | 50 | 16 | 18 | Д2Д | Д2 | 0,5 | 4 | 90 | 5 | 0,2 | |
| 2023 | | | | | | - | Ф | - | - | - | 10Б | Б | 76 | 16 | 20 | Д2Д | Д2 | 0,4 | 4 | 68 | | |

Условные обозначения:
ТО – таксационные описания
Ф- фактическая характеристика лесного насаждения

Исполнитель работ по проведению лесопатологического обследования:

Инженер по охране и защите леса **Пашковская Н.С.** 
должность, ФИО подпись

Результаты проведения лесопатологических обследований лесных насаждений в 2023 г.

Субъект Российской Федерации
Оренбургская область
Лесничество (лесопарк)
ГКУ «Кувандыкское лесничество»
Участковое лесничество
Кувандыкское
Урочище (лесная дача)

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|-----|----|-----|----------|-----------------|---|---|---|-----|--------|--------|---------|-------------------|---------------------|----------|---------|---------|------------------|----|--|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|---|----|----|----|-----|-----|--|--|--|--|--|--|-----|----|----|-----|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
| 124 | 24 | 3,0 | защитные | противопожарные | - | - | - | 105 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | Число деревьев на пробе, шт. | | | | | | | | | | | | Распределение деревьев по категориям состояния, % от запаса | | | | | | | | | | | | ССР | 35 | 36 | 3,0 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 100 | 100 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | состав | порода | возраст | средняя высота, м | средний диаметр, см | тип леса | полнота | бонитет | запас, куб. м/га | | Таксационная характеристика лесного насаждения | | | | | | | | | | | | Причина ослабления, повреждения | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

Условные обозначения: Н – деревья не подлежат рубке; Р – деревья подлежат рубке., не соответствующие таксационному описанию отмечаются «*»
Исполнитель работ по проведению лесопатологических обследований:

Инженер по охране и защите леса
Пашковская Н.С.
подпись

Дата составления документа
05.09.2023
Телефон
83536120518

ВРЕМЕННАЯ ПРОБНАЯ ПЛОЩАДЬ №1

1.1. Субъект Российской Федерации Оренбургская область

Лесничество (лесопарк) Кувандыкское Участковое лесничество Кувандыкское

Квартал 124 Выдел 24 Площадь лесопатологического выдела 3,0 га.

1.2. Метод перече́та:

Количество лент / площадок 5 шт.

Размеры площадок (длина* ширина/радиус 11,3).

Размер временной пробной площади: 0,2 га.

1.3. Фактическая таксационная характеристика насаждения:

Состав 10Б Возраст 76 Тип леса Д2Д Полнота 0,4

Бонитет 3 Запас на га 68 кб.м. Возобновление -

1.4. Номер очага вредных организмов _____

Тип очага вредных организмов: эпизодический, хронический, (подчеркнуть).

Фаза развития очага вредных организмов: начальная, нарастания численности, собственно вспышка, кризис(подчеркнуть).

1.5. Причина ослабления, повреждения насаждения и время:

УНП 1-3х летней давности (864).

Состояние насаждения, средневзвешенная категория состояния насаждения:

Насаждение с утраченной устойчивостью, СКС насаждения 4,8 (погибшее).

1.6. Назначенные мероприятия: требуется проведение ССР.


Исполнитель работ по проведению лесопатологических обследований:

Инженер по охране и защите леса

Должность

Пашковская Н.С.

ФИО


подпись

Дата составления документа 05.09.2023

Телефон 83536120518

ВЕДОМОСТЬ ПЕРЕЧЕТА ДЕРЕВЬЕВ

(для сплошного, ленточного и перечета на круговых площадках постоянного радиуса)

По насаждению: СКС породы: 4,8 (погибшие)

| Ступени толщины см | Количество деревьев по категориям состояния, шт. | | | | | | | | | | | | | | | | Всего | |
|--------------------------|--|---|----|---|-----|---|-----|---|-----|----|-----------|----|----|-----------|----|----|-------|---------------------------------------|
| | I | | II | | III | | IV | | V | | V (а,б,в) | | | V (г,д,е) | | | шт. | в т.ч. подле жат рубке, % |
| | Н | З | Н | З | Н | З | Н | З | Н | З | Н | З | О | Н | З | О | | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 |
| 12 | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 16 | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 20 | | | | | | | 3 | | 16 | | | | | 5 | | | 24 | 56 |
| 24 | | | | | | | 2 | | 7 | | | | | 3 | | | 12 | 28 |
| 28 | | | | | | | 2 | | 2 | | | | | 2 | | | 6 | 14 |
| 32 | | | | | | | | | 1 | | | | | | | | 1 | 2 |
| 36 | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 40 | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 44 | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Итого, шт | | | | | | | 7 | | 26 | | | | | 10 | | | 43 | 100 |
| Итого, м³ | | | | | | | 2,4 | | 7,9 | | | | | 3,3 | | | 13,6 | 100 |
| Итого, % | | | | | | | 18 | | 58 | | | | | 24 | | | 100 | 100 |

Причины назначения в рубку деревьев категорий состояния:

Порода: Б 4 разряд высот СКС породы: 4,8 (погибшие)

| Ступени толщины см | Количество деревьев по категориям состояния, шт. | | | | | | | | | | | | | | | | Всего | |
|--------------------------|--|---|----|---|-----|---|-----|---|-----|----|-----------|----|----|-----------|----|----|-------|---------------------------------------|
| | I | | II | | III | | IV | | V | | V (а,б,в) | | | V (г,д,е) | | | шт. | в т.ч. подле жат рубке, % |
| | Н | З | Н | З | Н | З | Н | З | Н | З | Н | З | О | Н | З | О | | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 |
| 12 | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 16 | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 20 | | | | | | | 3 | | 16 | | | | | 5 | | | 24 | 56 |
| 24 | | | | | | | 2 | | 7 | | | | | 3 | | | 12 | 28 |
| 28 | | | | | | | 2 | | 2 | | | | | 2 | | | 6 | 14 |
| 32 | | | | | | | | | 1 | | | | | | | | 1 | 2 |
| 36 | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 40 | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 44 | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Итого, шт | | | | | | | 7 | | 26 | | | | | 10 | | | 43 | 100 |
| Итого, м³ | | | | | | | 2,4 | | 7,9 | | | | | 3,3 | | | 13,6 | 100 |
| Итого, % | | | | | | | 18 | | 58 | | | | | 24 | | | 100 | 100 |

Запас рассчитывается по сортиментным таблицам для лесов центральных и южных районов Европейской части РСФСР 1987года.

Абрис лесного участка
в квартале 124 выдел 24 площадь 3,0 га
Кувандыкского участкового лесничества,
намеченного под сплошную санитарную рубку

М 1:10000



| № квартала | № выдела | № лесопатологического выдела | Размеры ленты (круговой площадки) перечёта | | | | | Координаты начала, конца и поворотных точек лент перечёта / центров круговых площадок перечёта | |
|------------|----------|------------------------------|--|----------|-----------|-----------|-------------|--|----------------|
| | | | № ленты (площадки) | длина, м | ширина, м | радиус, м | площадь, га | | |
| 124 | 24 | | 1 | | | 11,3 | 0,04 | N 51°282642' С | E 57°608135' В |
| | | | 2 | | | 11,3 | 0,04 | N 51°282548' С | E 57°610190' В |
| | | | 3 | | | 11,3 | 0,04 | N 51°283115' С | E 57°611812' В |
| | | | 4 | | | 11,3 | 0,04 | N 51°282498' С | E 57°609399' В |
| | | | 5 | | | 11,3 | 0,04 | N 51°282591' С | E 57°612053' В |

| Номера точек | Координаты | | Длина, м | Номера точек | Координаты | | Длина, м |
|--------------|----------------|----------------|----------|--------------|----------------|----------------|----------|
| 0-1 привязка | N 51°512990' С | E 57°630704' В | 2000 | 12-13 | N 51°281717' С | E 57°610993' В | 160 |
| 1-2 | N 51°282797' С | E 57°607280' В | 310 | 13-14 | N 51°283663' С | E 57°608586' В | 150 |
| 2-3 | N 51°283871' С | E 57°611607' В | 200 | 14-15 | N 51°282041' С | E 57°609985' В | 30 |
| 3-4 | N 51°282392' С | E 57°613499' В | 30 | 15-16 | N 51°281771' С | E 57°609801' В | 170 |
| 4-5 | N 51°282162' С | E 57°613204' В | 80 | 16-17 | N 51°282915' С | E 57°608462' В | 130 |
| 5-6 | N 51°282359' С | E 57°612365' В | 70 | 17-18 | N 51°281975' С | E 57°608819' В | 30 |
| 6-7 | N 51°281841' С | E 57°612957' В | 70 | 18-19 | N 51°281810' С | E 57°608494' В | 40 |
| 7-8 | N 51°281914' С | E 57°611663' В | 100 | 19-20 | N 51°282350' С | E 57°608035' В | 30 |
| 8-9 | N 51°282700' С | E 57°611565' В | 100 | 20-21 | N 51°282122' С | E 57°607816' В | 90 |
| 9-10 | N 51°283361' С | E 57°611079' В | 120 | 21-22 | N 51°282740' С | E 57°606191' В | 50 |
| 10-11 | N 51°282285' С | E 57°611169' В | 130 | 22-1 | N 51°282533' С | E 57°607205' В | 20 |
| 11-12 | N 51°283382' С | E 57°610000' В | 160 | | | | |

Условные обозначения: 1,2,3... -поворотные точки

0 — привязка нулевой отметки к дороге

— - граница лесного участка, намеченного под сплошную санитарную рубку

○ - №1,2,3 - круговые площадки

Исполнитель работ по проведению лесопатологических обследований:

Инженер по охране и защите леса

Должность

Пашиковская Н.С.

ФИО



подпись

Дата составления документа 05.09.2023

Телефон 8(35361)20518



[illegible]